Scheme of **Examination of Elective Hindi (B.A. I –VI Sem.)**

B.A. I Sem

Paper No.	Name of Paper	Max. Marks	Written	Internal
Paper Ist.	हिंदी ऐच्छिक	100	80	20

B.A. II Sem

Paper No.	Name of Paper	Max. Marks	Written	Internal
Paper II	हिंदी ऐच्छिक	100	80	20

B.A. III Sem

Paper No.	Name of Paper	Max. Marks	Written	Internal
Paper III	हिंदी ऐच्छिक	100	80	20

B.A. IV Sem

Paper No.	Name of Paper	Max. Marks	Written	Internal
Paper IV	हिंदी ऐच्छिक	100	80	20

B.A. V Sem

Paper No.	Name of Paper	Max. Marks	Written	Internal
Paper V	हिंदी ऐच्छिक	100	80	20

B.A. VI Sem

Paper No.	Name of Paper	Max. Marks	Written	Internal
Paper VI	हिंदी ऐच्छिक	100	80	20

Head
Dept. of Hindi

संयुक्त पाठ्यक्रम

(महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)

जुलाई २०१३

बी०ए० : प्रथम सेमेस्टर

हिन्दी (ऐच्छिक)

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम

- कुरुक्षेत्र (षष्ठ सर्ग) : रामधारी सिंह दिनकर
- हानूश (नाटक) : भीष्म साहनी
- हिन्दी साहित्य का आदिकाल

खण्ड--(क) : कुरुक्षेत्र (षष्ठ सर्ग)

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ 'कुरुक्षेत्र' की मूल संवेदना
२ 'कुरुक्षेत्र' की पात्र–योजना
३ 'कुरुक्षेत्र' का काव्य–रूप
४ 'कुरुक्षेत्र' के नामकरण की सार्थकता
५ दिनकर की काव्य–कला

खण्ड--(ख) : हानूश

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ 'हानूश' नाटक का उद्देश्य
२ 'हानूश' नाटक की पात्र योजना
३ 'हानूश नामकरण की सार्थकता
४ रंगमंच की दष्टि से 'हानूश' का मूल्यांकन
५ 'हानूश' की नाट्य–कला

खण्ड--(ग) : हिन्दी साहित्य का आदिकाल

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ हिन्दी साहित्येतिहासलेखन की परम्परा
२ आदिकाल का नामकरण
३ आदिकाल की परिस्थितियाँ
४ आदिकालीन साहित्य की सामान्य प्रवत्तियाँ
५ रासो काव्य परम्परा
६ पथ्वीराजरासो की प्रामाणिकता
७ विद्यापति व अमीर खुसरो का साहित्यिक परिचय ।

निर्देश :

१ खण्ड 'क' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से व्याख्या के लिए चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए ४ अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

२ खण्ड 'क' में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न ८ अंक का होगा ।

३ खण्ड 'क' में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग २०० शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ३ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ६ अंक का होगा ।

४ खण्ड 'ख' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से व्याख्या के लिए चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए ४ अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

५ खण्ड 'ख' में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न ८ अंक का होगा ।

६ खण्ड 'ख' में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग २०० शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

७ खण्ड 'ग' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए ६ अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न १८ अंक का होगा ।

८ खण्ड 'ग' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

६ अंतिम प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकति का होगा । पूरे पाठ्यक्रम से एक–एक अंक के ८ प्रश्न पूछे जाएंगे । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

संयुक्त पाठ्यक्रम

(महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)

जनवरी २०१४

बी०ए० : द्वितीय सेमेस्टर

हिन्दी (ऐच्छिक)

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम

१ प्राचीन एवं मध्यकालीन हिन्दी काव्य : डॉ० पूरनचंद टंडन,
राजपाल एण्ड संस, दिल्ली ।
फोन : ०११–२३८६६८१२, २३८६५४८३

२ निर्मला (उपन्यास) : प्रेमचंद

३ हिन्दी साहित्य का भक्तिकाल

पाठ्यक्रम में निर्धारित कवि

कबीरदास–प्रथम ३० दोहे
जायसी–सभी पद
सूरदास–भ्रमरगीत पद संख्या १ से ४, ६, ६, १२,
गोकुल लीला : पद संख्या १, ३, ६, ८, १० (कुल १२ पद)
तुलसीदास–पुस्तक में संकलित 'विनय पत्रिका' एवं 'दोहावली' से गहीत अंश
मीराबाई–पद संख्या १ से ५, १६, १७, २०, २३, २५–कुल १० पद
बिहारी–श्रंगारिक दोहे–१ से २५
घनानंद–प्रथम आठ कवित्त

खण्ड--(क) : प्राचीन एवं मध्यकालीन हिन्दी काव्य

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ कबीर की प्रासंगिकता
२ जायसी का विरह वर्णन
३ सूरदास का वात्सल्य वर्णन
४ श्रंगार वर्णन
५ तुलसीदास का समन्वयवाद
६ मीरांबाई की प्रेम साधना
७ बिहारी की बहुज्ञता
८ घनानंद का वियोग वर्णन
६ सभी कवियों का साहित्यिक परिचय

खण्ड--(ख) : निर्मला

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ 'निर्मला' उपन्यास का प्रतिपाद्य
२ 'निर्मला' की पात्र योजना
३ 'निर्मला' नामकरण की सार्थकता
४ प्रेमचंदयुगीन सामाजिक परिवेश
५ उपन्यासकार प्रेमचंद का साहित्यिक परिचय

खण्ड--(ग) : भक्तिकाल

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ भक्ति : उद्‌भव और विकास
२ भक्तिकाल की परिस्थितियाँ
३ संत काव्य की प्रवत्तियाँ
४ सूफी काव्य की प्रवत्तियाँ
५ राम काव्य की प्रवत्तियाँ
६ कष्ण काव्य की प्रवत्तियाँ
७ अष्टछाप और उसका महत्व
८ भक्तिकाल : स्वर्णयुग

निर्देश :

१ खण्ड 'क' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से व्याख्या के लिए चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए ४ अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

२ खण्ड 'क' में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न ८ अंक का होगा ।

३ खण्ड 'क' में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग २०० शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ३ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ६ अंक का होगा ।

४ खण्ड 'ख' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से व्याख्या के लिए चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए ४ अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

५ खण्ड 'ख' में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न ८ अंक का होगा ।

६ खण्ड 'ख' में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग २०० शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

७ खण्ड 'ग' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ६ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १८ अंक का होगा ।

८ खण्ड 'ग' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

६ अंतिम प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकति का होगा । पूरे पाठ्यक्रम से एक–एक अंक के ८ प्रश्न पूछे जाएंगे । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

संयुक्त पाठ्यक्रम

(महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)

जुलाई २०१३

बी०ए० : ततीय सेमेस्टर

हिन्दी (ऐच्छिक)

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम

- आधुनिक काव्य–मंजूषा सं० डॉ० माया मलिक
  प्रकाशक : खाटू श्याम प्रकाशन, १२७६/५, पीर जी मोहल्ला, प्रताप टाकीज़, रोहतक।
  मोबाइल न० 09991708080
- कहानी एकादशी–सं० दशरथ ओझा
  प्रकाशक–शिक्षा भारती, कश्मीरी गेट, दिल्ली, फोन : 011-23819812
- हिन्दी साहित्य का रीतिकाल

खण्ड--(क) : आधुनिक काव्य–मंजूषा

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

कवियों के साहित्यिक परिचय, उनके काव्य की संवेदनागत तथा शिल्पगत विशेषताओं से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे ।

खण्ड--(ख)

निर्धारित पाठ्यपुस्तक से निम्नलिखित कहानियों को पाठ्यक्रम में शामिल किया जा रहा है–

१	ईद का त्योहार	–प्रेमचंद
२	छोटा जादूगर	–जयशंकर प्रसाद
३	पढ़ाई	–जैनेन्द्र कुमार
४	आदमी का बच्चा	–यशपाल
५	दरोगा अमीचन्द	–अज्ञेय
६	दिल्ली में एक मौत	–कमलेश्वर
७	नई नौकरी	–मन्नू भण्डारी

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानीकारों के साहित्यिक परिचय, निर्धारित कहानियों के प्रतिपाद्य तथा कहानी–कला पर ही प्रश्न पूछे जाएंगे ।

खण्ड--(ग) : हिंदी साहित्य का रीतिकाल

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ रीतिकालीन हिंदी कविता के प्रेरणास्रोत
२ रीतिकाल का नामकरण
३ रीतिकाल का विभाजन तथा रीतिबद्ध काव्य की प्रवत्तियाँ
४ रीतिमुक्त काव्य की प्रवत्तियाँ
५ रीतिकवियों का आचार्यत्व
६ रीतिकालीन हिंदी काव्य की उपलब्धियाँ

निर्देश :

१ खण्ड 'क' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से व्याख्या के लिए चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए ४ अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

२ खण्ड 'क' में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न ८ अंक का होगा ।

३ खण्ड 'क' में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग २०० शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ३ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ६ अंक का होगा ।

४ खण्ड 'ख' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से व्याख्या के लिए चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए ४ अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

५ खण्ड 'ख' में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न ८ अंक का होगा ।

६ खण्ड 'ख' में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग २०० शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

७ खण्ड 'ग' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ६ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १८ अंक का होगा ।

८ खण्ड 'ग' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

६ अंतिम प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकति का होगा । पूरे पाठ्यक्रम से एक–एक अंक के ८ प्रश्न पूछे जाएंगे । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

संयुक्त पाठ्यक्रम

(महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)

जनवरी २०१४

बी०ए० : चतुर्थ सेमेस्टर

हिन्दी (ऐच्छिक)

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम

१ सुदामाचरित : नरोत्तमदास

२ श्रेष्ठ निबन्ध (निबन्ध संग्रह)–सं० डॉ० आलोक गुप्त
प्रकाशक–शिक्षा भारती, राजपाल एंड संस कश्मीरी गेट, दिल्ली–६
फोन : ०११–२३८६६८१२, २३८६५४८३

३ हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल : कविता

खण्ड--(क) :

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

- नरोत्तमदास का साहित्यिक परिचय
- सुदामाचरित का काव्य रूप
- सुदामाचरित का प्रतिपाद्य
- सुदामाचरित में चरित्र–चित्रण
- सुदामाचरित का युगीन संदर्भ

खण्ड--(ख) :

'श्रेष्ठ निबन्ध' नामक पाठ्यपुस्तक से निम्नलिखित निबन्ध पाठ्यक्रम में निर्धारित किए जा रहे हैं–

निर्धारित निबन्ध-

१ दाँत–प्रतापनारायण मिश्र

२ साहित्य की महत्ता–महावीर प्रसाद द्विवेदी

३ क्रोध–रामचन्द्र शुक्ल

४ आचरण की सभ्यता–सरदार पूर्ण सिंह

५ गेहूँ बनाम गुलाब–रामवक्ष बेनीपुरी

६ साहित्य और जीवन–नंददुलारे वाजपेयी

७ देवदारू–हजारीप्रसाद द्विवेदी

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्यक्रम में निर्धारित निबन्धकारों के साहित्यिक परिचय, निर्धारित निबन्धों के प्रतिपाद्य तथा निबन्धों की भाषा शैली पर ही प्रश्न पूछे जाएंगे ।

खण्ड--(ग) : हिंदी साहित्य का आधुनिक काल : कविता

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ आधुनिककालीन हिंदी साहित्य का परिवेश

२ भारतेन्दुयुगीन हिंदी कविता की प्रवत्तियाँ

३ द्विवेदीयुगीन हिंदी कविता की प्रवत्तियाँ

४ छायावाद
५ प्रगतिवाद
६ प्रयोगवाद
७ नई कविता
८ समकालीन हिंदी कविता

निर्देश :

१ खण्ड 'क' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से व्याख्या के लिए चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए ४ अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा।

२ खण्ड 'क' में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न ८ अंक का होगा ।

३ खण्ड 'क' में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग २०० शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ३ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ६ अंक का होगा ।

४ खण्ड 'ख' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से व्याख्या के लिए चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए ४ अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

५ खण्ड 'ख' में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न ८ अंक का होगा।

६ खण्ड 'ख' में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग २०० शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

७ खण्ड 'ग' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ९ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १८ अंक का होगा ।

८ खण्ड 'ग' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

९ अंतिम प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकति का होगा । पूरे पाठ्यक्रम से एक–एक अंक के ८ प्रश्न पूछे जाएंगे । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

संयुक्त पाठ्यक्रम

(महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)

जुलाई २०१३

बी०ए० पाँचवाँ सेमेस्टर

हिन्दी ऐच्छिक

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम

१ कथा वातायन सं० डॉ० रोहिणी अग्रवाल,
प्रकाशक : खाटू श्याम प्रकाशन, १२७६/५, पीर जी मोहल्ला, प्रताप टाकीज़, रोहतक।
मोबाइल न० 09991708080

२ समकालीन काव्य–प्रभास, सं० डॉ० रामसजन पाण्डेय,
प्रकाशक : खाटू श्याम प्रकाशन, १२७६/५, पीर जी मोहल्ला, प्रताप टाकीज़, रोहतक।
मोबाइल न० 09991708080

३ हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल : गद्य

खण्ड (क) : कथा वातायन

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानीकारों के साहित्यिक परिचय, निर्धारित कहानियों के प्रतिपाद्य तथा निर्धारित कहानियों की कला पर ही प्रश्न पूछे जाएंगे ।

खण्ड (ख) : समकालीन काव्य-प्रभास

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों के साहित्यिक परिचय, उनकी काव्य संवेदना तथा काव्य शिल्प पर ही प्रश्न पूछे जाएंगे ।

हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल : गद्य

निर्धारित प्रश्न-

१ हिंदी उपन्यास : उद्‌भव और विकास
२ हिंदी नाटक : उद्‌भव और विकास
३ हिंदी कहानी : उद्‌भव और विकास
४ हिंदी निबन्ध : उद्‌भव और विकास
५ हिंदी आलोचना : उद्‌भव और विकास
६ हिंदी साहित्य की अन्य विधाएँ–आत्मकथा, जीवनी, यात्रावत्त का उद्‌भव और विकास

निर्देश :

१ खण्ड 'क' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से व्याख्या के लिए चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए ४ अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

२ खण्ड 'क' में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न ८ अंक का होगा ।

३ खण्ड 'क' में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग २०० शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ३ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ६ अंक का होगा ।

४ खण्ड 'ख' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से व्याख्या के लिए चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए ४ अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा।

५ खण्ड 'ख' में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न ८ अंक का होगा ।

६ खण्ड 'ख' में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग २०० शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

७ खण्ड 'ग' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ६ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १८ अंक का होगा ।

८ खण्ड 'ग' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

६ अंतिम प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकति का होगा । पूरे पाठ्यक्रम से एक–एक अंक के ८ प्रश्न पूछे जाएंगे । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

संयुक्त पाठ्यक्रम

(महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)

जनवरी २०१४

बी०ए० छठा सेमेस्टर

हिन्दी ऐच्छिक

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ८० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : २० अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम

१ मानस का हंस (विद्यार्थी संस्करण) : अमतलाल नागर

२ निबंध के रंग, सं० डॉ० रोहिणी अग्रवाल,
प्रकाशक : खाटू श्याम प्रकाशन, १२७६/५, पीर जी मोहल्ला, प्रताप टाकीज़, रोहतक।
मोबाइल न० 09991708080

३ साहित्यालोचन

खण्ड (क) :

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ अमतलाल नागर का साहित्यिक परिचय
२ मानस का हंस : प्रतिपाद्य
३ मानस का हंस : चरित्र चित्रण
४ मानस का हंस : पुरावत्त और कल्पना
५ मानस का हंस : देशकाल और वातावरण
६ मानस का हंस : भाषा शैली

खण्ड (ख) : निबंध के रंग

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्यक्रम में निर्धारित निबन्धकारों के साहित्यिक परिचय, निर्धारित निबन्धों के प्रतिपाद्य तथा भाषा शैली पर आधारित प्रश्न ही पूछे जायेंगे ।

खण्ड (ग) : साहित्यालोचन

निर्धारित विषय

(क) काव्य : स्वरूप और भेद
१ काव्य की परिभाषा
२ काव्य–प्रयोजन
३ काव्य–हेतु
४ काव्य–भेद : महाकाव्य, खण्डकाव्य, गीतिकाव्य

(ख) रस की परिभाषा और उसके भेद

(ग) अलंकार की परिभाषा और प्रमुख अलंकारों का सोदाहरण परिचय–
अनुप्रास, श्लेष, यमक, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, भ्रांतिमान, सन्देह, मानवीकरण ।

(घ) छंद की परिभाषा और प्रमुख छंदों का सोदाहरण परिचय–दोहा, चौपाई, सोरठ, छप्पय, कवित्त।

निर्देश :

१ खण्ड 'क' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से व्याख्या के लिए चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए ४ अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

२ खण्ड 'क' में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न ८ अंक का होगा ।

३ खण्ड 'क' में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग २०० शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ३ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ६ अंक का होगा ।

४ खण्ड 'ख' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से व्याख्या के लिए चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए ४ अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

५ खण्ड 'ख' में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न ८ अंक का होगा ।

६ खण्ड 'ख' में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग २०० शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

७ खण्ड 'ग' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ६ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १८ अंक का होगा ।

८ खण्ड 'ग' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

६ अंतिम प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकति का होगा । पूरे पाठ्यक्रम से एक–एक अंक के ८ प्रश्न पूछे जाएंगे । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।